Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—2506

PAPER—III

SANSKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SANSKRIT

संस्कृत

PAPER – III

प्रश्नपत्रम् - III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. All questions should be attempted in Sanskrit language.**

सूचना :- अस्य प्रश्नपत्रस्य द्विशतम् (200) अङ्काः सन्ति। प्रश्नपत्रमिदं चतुर्षु खण्डेषु विभक्तमस्ति। सर्वेषां प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषायामेव देयम्। अभ्यर्थिभिः पृथक् निर्दिष्ट विशेषसुचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्नाः समाधेयाः।

खण्डः – I

सूचनाः - **अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यभागम् आश्रित्य पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः त्रिंशत् (30) शब्दात्मकम् उत्तरं देयम्। एकैकस्य प्रश्नस्य कृते पञ्च अङ्काः सन्ति।** **(5X5 =25 अङ्काः)**

अस्ति कस्मिंश्चिन्नगरे सागरदत्तो नाम वाणिक्। तत्सूनुना रुपकशतेन विक्रीयमाणः पुस्तको ग्रहीतः। तस्मिंश्च लिखितमस्ति -

प्राप्तव्यमर्थं लभते मनुष्यो
देवोऽपि तं लङ्घयितुं न शक्तः।
तस्मान्न शोचामि न विस्मयो मे
यदस्मदीयं न हि तत्परेषाम्।।

तद्दृष्ट्वा सागरदत्तेन तनुजः पृष्टः-पुत्र कियता मूल्येनैष पुस्तको गृहीतः। सोऽब्रवीत्-रूपकशतेन। तच्छुत्वा सागरदत्तोऽब्रवीत्-घिङ् मूर्ख त्वं लिखितै - कश्लोकं पुस्तकं रूपकशतेन यद्गटहणासि एतया बुद्ध्या कथं द्रव्योपार्जनं करिष्यसि. तद्द्यप्रभूति त्वया मे ग्रहे न प्रवेष्टव्यम्। एवं निर्भत्स्र्य ग्राहान्निः सारितः। स च तेन निर्वेदेन विप्रकृष्टं देशान्तर गत्वा किमपि नगर मासाद्यावस्थितः। अथ कतिपयदिवसैस्तन्नगरनिवासिना केनचिदसौ पृष्टः - कुतो भवानागतः। किं नामधेयोवेति। असावब्रवीत् - प्राप्तव्यमर्थंलभते मनुष्यः। अथान्येनापि पृष्टेनानेन तथैवोत्तरं दत्तम्।

1. सागरदत्तसूनुना कतिभी रूप्यकैः पुस्तकं गृहीतम्?

2. देवोऽपि कं लङ्घयितुं न शक्तः?

3. सागरदत्तेन तनूजः किं पृष्टः?

4. पुस्तके श्लोकसंख्या का?

5. सागरदत्ततनूजः निर्वेदेन कुत्र अवस्थितः?

खण्डः – II

सूचना :- अस्मिन् खण्डे पञ्चाङ्कपरिमिताः पञ्चदशप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः त्रिंशत् (30) शब्दात्मकम् उत्तरं देयम्। (5X15 = 75 अङ्काः)

6. अथर्ववेदगतस्य पृथिवीसूक्तस्य महत्वं प्रतिपाद्यताम्।

7. बृहदारण्यकमिति नामकरणे बीजमुल्लिख्य तत्र प्रतिपादितमात्मतत्त्वं संक्षेपेण विवृणुत।

8. ज्योतिश्शास्त्रस्य वेदाङ्गत्वं स्पष्टयत।

9. (1) वीरः, (2) ह्रदः, (3) अश्वः, (4) अग्निः, (5) नदी _____ एतेषां शब्दानां व्युत्पत्तिं प्रदर्शयत।

10. ग्रास्मन्नियमं सोदाहरणं निर्दिशत।

11. व्याकरणशब्दस्य व्युत्पत्तिं साधुशब्दप्रयोगपरिणामञ्च स्पष्टयत।

12. साङ्ख्यकारिकानुसारेण अपवर्गस्वरुपं तत्साधनं च प्रतिपाद्येताम्।

13. अर्थसंग्रहानुसारेण विधेः स्वरुपं सभेदं निरुप्यताम्।

14. रामायणे उपकथानामुपकारकत्वमुपपादयत।

15. महाभारते पर्वव्यवस्थाया अन्वर्थतां लिखत।

16. याज्ञवल्क्यानुसारं व्यवहारपदं परिभाषयत।

17. अस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या -

व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं
भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः।
प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधा-
नसंवृताङ्गान्निशिता इवेषवः।

18. काव्यप्रकाशानुसारं अर्थान्तरन्यासस्य परिचयो देयः।

19. उत्तररामचरिते तृतीयाङ्कस्य प्राधान्यं विशदयत।

20. समवायपदार्थस्य स्वरुपं निपुणं निरुप्यताम्।

खण्डः – III

सूचनाः- **अस्मिन् खण्डे एकैकस्मिन् ऐच्छिकविषये पञ्च पञ्च प्रश्नाः सन्ति। एकम् ऐच्छिकं विषयं चित्वा अभ्यार्थिना तस्य पञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। एकैकस्य प्रश्नस्य द्वादश (12) अङ्काः सन्ति, उत्तरं तावत् प्रायशः द्विशत (200) शब्दात्मकं लेखनीयम्।**

(12x5=60अङ्काः)

ऐच्छिकः – I

21. सूर्यसूक्तमूपजीव्य सूर्यस्य वैशिष्ट्यं वर्णयत।

22. राष्ट्राभिवर्द्धनसूक्तानुसारं राष्ट्रवर्द्धन विषयं विशदयत।

23. ब्राह्मणोक्तम् अग्निहोत्रविधिं निरुपयत।

24. ऋक्प्रातिशाख्यमनुसृत्य यम-संयोग-रिफित-संज्ञानां लक्षणं सोदाहरणं प्रतिपादयत।

25. निरुक्तानुसारं कति देवताः सन्तीति विवेचयत।

ऐच्छिकः – II

21. शिक्षान्तरापेक्षया पाणिनीयशिक्षायाः महत्वं प्रतिपादयत।

22. ससूत्रं समासप्रक्रियां लिखत -

(A) भूतपूर्वः (B) अधिहरि (C) नीलोत्पलम् (D) प्राप्तोदकः

23. ससूत्रं परस्मैपदं साधयत -

(A) कम्पयति (B) अभिक्षिपति (C) पराकरोति (D) अत्ति

24. ससूत्रम् आत्मनेपदं साधयत -

(A) आयच्छते (B) शपते (C) आह्वयते (D) शतमपजानीते

25. सोदाहरणं सूत्रार्थं निर्दिशत -

(A) सह सुपा

(B) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्

(C) आशिषि नाथः

(D) प्राद्वहः

ऐच्छिकः – III

21. योगमते भेदपुरस्सरं समाधिस्वरुपं प्रतिपाद्यताम्।

22. जन्माद्यस्य यतः इति सूत्रं समीक्ष्यताम् ।

23. अनुमितेः करणविषये मतभेदम् उल्लिख्य अनुमितिस्वरुपं निरुप्यताम्।

24. जैनसम्मतपदार्थाः संक्षेपेण निरूप्यन्ताम्।

25. बौध्दमते व्याप्तिग्रहोपायः प्रदर्श्यताम्।

ऐच्छिकः – IV

21. काव्यप्रकाशमनुसृत्य लक्षणां निरुपयत।

22. कुन्तकमतानुसारं काव्ये शब्दार्थयोः स्वरुपं विशदयत।

23. काव्यमीमांसामनुसृत्य पाकानां समीक्षा क्रियताम्।

24. रसगङ्गाधरानुसारेण काव्यकारणविचारं कुरूत।

25. मम्मटानुसारं गुणीभूतव्यङ्ग्यसमीक्षां कुरूत।

ऐच्छिकः – V

21. अशोकस्य रुम्मिनदेई स्तम्भलेखस्य वैशिष्ट्यं लिखत।

22. नहपालकालीन (वर्ष 41, 42 सम्बद्ध) नासिक गुहाभिलेखयोः महत्वं प्रकाशयत।

23. चन्द्रगुप्तद्वितीयस्य वर्ष 61 सम्बध्दस्य मथुराशिलालेखस्य परिचयो देयः।

24. स्कन्दगुप्तस्य इन्दौरताम्रपट्टाभिलेखस्य एतिहासिकं महत्वं प्रकाशयत।

25. मिहिरकुलस्य ग्वालियराभिलेखस्य महत्वं वर्णयत।

खण्डः – IV

सूचनाः-- अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशत् (40) अङ्कपरिमितः निबन्धात्मकप्रश्नः अस्ति। अधो निर्दिष्टविषयेषु एकमाश्रित्य प्रायशः (1000) सहस्रशब्दपरिमितम् उत्तरं देयम्।

(40X1= 40 अङ्काः)

26. ऐच्छिक - I

ब्राह्मणग्रन्थस्य सामान्यं प्रतिपाद्यविषयं लिखत।

अथवा

शिवसङ्कल्पसूकतं विवेचनीयम्।

ऐच्छिक - II

समासभेदान् सोदाहरणं ससूत्रं विविच्य समासानां परस्परभेदकं स्पष्टयत।

अथवा

स्कोटस्य स्वरूपं तदभिव्यक्तिप्रकारञ्च उल्लिख्य तदङ्गीकारे बीजं स्पष्टयत।

ऐच्छिक - III

भेदप्रदर्शनपूर्वकं हेत्वाभासा निरुप्यन्ताम्।

अथवा

क्षणमङ्गवादक्वरूपनिरूपणपुरस्सरं तस्य निराकरणं विधीयताम्।

ऐच्छिक - IV

काव्यभेदव्यवस्थायाः समीक्षां कुरूत।

अथवा

काव्यात्मविचारमुपस्थापयत।

ऐच्छिक - V

शिलालेखसम्बध्दसामग्री प्रकारान् विवृणुत।

अथवा

गिरनारशिलालेखानाम् ऐतिहासिकं महत्वम् आधारिकृत्य निबन्धो लेख्यः।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....